

Seat No. : \_\_\_\_\_

**NJ-104-H**  
**November-2013**  
**B.A. (Sem.-V)**  
**CC-301 : Sociology**  
**(Indian Sociologists)**  
**(Hindi Version)**

**Time : 3 Hours]**

**[Max. Marks : 70**

1. डॉ. जी.एस. धुर्ये का जीवन परिचय और समाजशास्त्रीय योगदान की चर्चा कीजिए । 14  
**अथवा**  
जाति पर डॉ. धुर्ये का अध्ययन और विचार समझाइए ।
2. डॉ. आई.पी. देसाई की अभ्यास पद्धति और महत्त्वपूर्ण समाजशास्त्रीय अध्ययनों का वर्णन कीजिए । 14  
**अथवा**  
डॉ. आई. पी. देसाई के संयुक्त परिवार के अध्ययन को समझाइए ।
3. डॉ. राधाकमल मुखर्जी की अभ्यास पद्धति और शहरी समस्याओं पर उनके विचार समझाइए । 14  
**अथवा**  
सामाजिक पर्यावरण पर राधाकमल मुखर्जी के विचारों का वर्णन कीजिए ।
4. ब्रिटिश काल के दौरान कृषि समस्याओं के बारे में डॉ. देसाई के विचार समझाइए । 14  
**अथवा**  
डॉ. ए. आर. देसाई का जीवन परिचय दीजिए तथा ग्रामीण जीवन और संबंधों पर उनके विचार समझाइए ।
5. (A) योग्य विकल्प का चयन कर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए : 7
  - (1) भारत में समाजशास्त्र के विकास में \_\_\_\_\_ स्कूल का योगदान प्रथम स्थान पर है ।  
(कलकत्ता, मुंबई, लखनऊ)
  - (2) धुर्ये ने भारतीय समाज और संस्कृति के अध्ययन के लिए \_\_\_\_\_ पद्धति पर जोर दिया है । (क्षेत्र कार्य, व्यक्ति अध्ययन, स्नोबॉल)

- (3) आई.पी. देसाई के अनुसार पिछड़ेपन की इकाई \_\_\_\_\_ होनी चाहिए । (धार्मिक, सामाजिक, पंथ निरपेक्ष)
- (4) \_\_\_\_\_ प्रकार के समाज का विचार आई.पी. देसाई ने दिया था । (इच्छित, अनिच्छित, धर्म निरपेक्ष)
- (5) लखनऊ विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग की स्थापना समाजशास्त्री \_\_\_\_\_ के नेतृत्व में हुई थी । (जी. एस. धुर्ये, ए. आर. देसाई, राधाकमल मुखर्जी)
- (6) ए.आर. देसाई ने भारतीय समाज के अध्ययन के लिए \_\_\_\_\_ पद्धति का उपयोग किया । (मार्क्सवादी, कार्यात्मकवादी, सामाजिक विनिमयवाद)
- (7) भारतीय समाजशास्त्र के संस्थापक \_\_\_\_\_ थे । (एम.एन.श्रीनिवास, जी.एस.धुर्ये, अगस्त काम्टे)

(B) जोड़ी मिलाइए :

7

(A)

(B)

- |                          |   |
|--------------------------|---|
| (1) डॉ. जी.एस. धुर्ये    | (a) अपराध के सामाजिक परिबल                            |
| (2) ग्रामीण जीवन         | (b) भारत में जाति और वंश                              |
| (3) डॉ. आई.पी. देसाई     | (c) सौंदर्यलक्षी संस्कृति                             |
| (4) जाति                 | (d) सोशियल बेकग्राउंड ऑफ इंडियन नेशनलिज्म             |
| (5) डॉ. राधाकमल मुखर्जी  | (e) कोटिक्रमिक व्यवस्था                               |
| (6) अंतर्राष्ट्रीय अभिगम | (f) भारतीय ग्राम समुदाय में सामाजिक व आर्थिक परिवर्तन |
| (7) डॉ ए.आर. देसाई       | (g) डॉ. राधाकमल मुखर्जी                               |